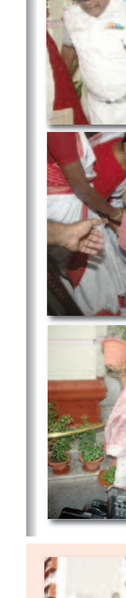

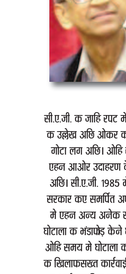

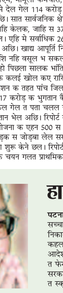

www.esamaad.com

समाद

मैथिली भाषा मे पहिल ई-पेपर
पटना, 2 अगस्त , 2010 • अंक-45 • वर्ष-3

कैग रिपोर्ट मे उजागर भेल अनियमितता क खिलाफ प्रदर्शन करैत राजद कार्यकर्ता

»ÕÙ, ÎçßçÙØôÁÙ ¥æ ÿæçÌ â âÚ· æÚ · ° Üæ»Ü x}®.~~ · ÚôÇ Å· æ · ¿Ùæ

मोटरसाइकिल पर लादल गेल बाढ राहत

पटना । कैग रिपोर्ट क अनुसार ग्रामीण विकास, जल संसाधन, सामान्य प्रशासन, पशुपालन सहित 18टा विभाग मे गबन, दुविर्नियोजन आ हानि स सरकार कए 380.99 करोड़ टका क क्षति भेल अछि। एतबे नहि बिहार मे चारा घोटाला सन एकटा आओर घटाला दोहरा सकैत अछि। एजी क ताजा रिपोर्ट मे कहल गेल अछि जे दू साल पहिने राज्य मे आयल बाढ क दौरान खगड़िया जिला मे बाढ़ पीड़ित क राहत सामग्री स्कूटर आ मोटर साइकिल स ढोएल गेल। भारत क नियंत्रक आ महालेखा परीक्षक (कैग) क विधानमंडल मे पेश भेल वर्ष 2009 क रिपोर्ट मे एकर खुलासा भेल अछि। रिपोर्ट मे कहल गेल अछि जे अगस्त स अक्टूबर 2007 क बीच मानसी रेलवे स्टेशन स 3115 क्विंटल गहूम आ चाउर उठाउल गेल आ ट्रक स कंपनी क खगड़िया गोदाम तक पठाउल गेल । जखन एहि ट्रक क निबंधन संख्या क मिलान कैल गेल त पाउल गेल जे 32 वाहन मोटरसाइकिल स्कूटर आ जीप क रूप मे निबंधित छल। एतबे नहि बिहार कोषागार संहिता क नियम 300 कहैत अछि जे जखन तक तुरंत भुगतान क जरूरत नहि हुए, कोषागार स धन क निकासी नहि कैल जाए, पर अररिया, पूर्वी चंपारण, सहरसा आओर सीतामढ़ी जइसन कईटा जिला मे जिलाधिकारी 131 करोड़ क राशि कोषागार स निकाल कए राखि लेलथि। एहि मे स 81 करोड़ क रकम बिना कोनो तात्कालिक जरूरत क निकालल गेल छल। डीएम त डीएम, मामूली कर्मचारी, पंचायत सेवक तक कए अग्रिम क रूप मे देल गेल 114 करोड़ क राशि क समायोजन नहि भ सकल अछि। सात सार्वजनिक क्षेत्र क उपक्रम ठीक तरीका स वसूली नहि केलक, जाहि स 371 करोड़ क राशि क वसूली नहि भ सकल। एहि मे सर्वाधिक 260 करोड़ टका बिहार राज्य वित्त निगम क अछि। खाद्य आपूर्ति निगम स सेहो 30 करोड़ स अधिक क राशि नहि वसूल भ सकल अछि। सीएजी क एहि बेर क रिपोर्ट सेहो पिछला सालक भांति सरकार क कईटा विभाग क कामकाज क कलई खोल कए राखि देलक अछि। राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन क तहत पांच जिला मे जननी सुरक्षा योजना क तहत 9.17 करोड़ क भुगतान कैल गेल। एहि मे 298 लाभार्थी क जांच कैल गेल त पता चलल जे एहि मे 6.66 लाख टकाक क फर्जी भुगतान भेल अछि। रिपोर्ट क अनुसार प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना क एहन 500 स 999 क बीच आबादी वाला गाम कए सड़क स जोड़बा लेल सरकार जून 2006 मे मुख्यमंत्री सड़क योजना शुरू केने छल। रिपोर्ट मे कहल गेल अछि जे 72 सड़क क चयन गलत प्राथमिकता क कारण करि लेल गेल। सरकार एहि योजना क लेल 1339 करोड़ क आवंटन उपलब्ध करेलक मुदा बिहार ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण खर्च नहि करि सकल। एहि दरम्यान 40 प्रतिशत सड़क बनि सकल। कैग क मानि त सड़क क निर्माण लेल प्राथमिकता सूची नहि बनाउल गेल। एकर चयन जन प्रतिनिधि यानी विधायक आ विधान पार्षद क दबाव पर कैल गेल। सम्पूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना आ काज क बदला मे अनाज योजना क तहत दैनिक मजदूर कए बांटबा लेल भेटल 86.53 लाख क चाउर बर्बाद भ गेल जखकि 11.51 करोड़ क चाउर क उपयोग नहि भ सकल।

रिपोर्ट क अनुसार प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना क एहन 500 स 999 क बीच आबादी वाला गाम कए सड़क स जोड़बा लेल सरकार जून 2006 मे मुख्यमंत्री सड़क योजना शुरू केने छल। रिपोर्ट मे कहल गेल अछि जे 72 सड़क क चयन गलत प्राथमिकता क कारण करि लेल गेल। सरकार एहि योजना क लेल 1339 करोड़ क आवंटन उपलब्ध करेलक मुदा बिहार ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण खर्च नहि करि सकल। एहि दरम्यान 40 प्रतिशत सड़क बनि सकल। कैग क मानि त सड़क क निर्माण लेल प्राथमिकता सूची नहि बनाउल गेल। एकर चयन जन प्रतिनिधि यानी विधायक आ विधान पार्षद क दबाव पर कैल गेल।

हाईकोर्ट क निर्णय पर लालू क टिप्पणी स इनकार

पटना । राजद प्रमुख लालू प्रसाद कहला अछि जे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा अपना कए बेदाग साबित करबाक दावा फेल भ गेल अछि। सच्चाई जनता तक पहुंच गेल अछि, चुनाव मे फैसला सेहो सामने आबि जाएत। ओना राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद 11,412 करोड़ क ट्रेजरी निकासी पर हाईकोर्ट क निर्णय पर टिप्पणी स इनकार केलथि अछि। ओ कहला जे हम सब कोनो याचिका दायर नहि केने छलहुं अछि। ओ कहला एतबा त जरूर साफ भ गेल जे मिस्टर क्लीन (नीतीश कुमार)क चेहरा दागदार अछि। लालू कहला जे मामला क सीबीआई जांच क आदेश न्यायालय क छल। ओ तत्काल रोक लगेलक अछि ता एहि पर किछु कहब उचित नहि अछि। ओ कहल जे नीतीश सरकार क खिलाफ त फेर एकटा नव मामला क सीएजी पर्दाफाश केलक अछि। लालू कहला, हम सब कहैत छलहूं त कियो विश्वास नहि करैत छल जे राज्य सरकार केन्द्र स भेटल अनाज क उठाव नहि केलक अछि। सीएजी क रिपोर्ट एकर पुष्टि केलक अछि। राजद सुप्रीमो कहला जे नीतीश सरकार त स्कूटर आ मोटरसाइकिल स अनाज क ढुलाई केलक अछि।

मतलबी पहरेदार

ई-गवर्नेंस मद क एकटा छीदाम खर्च नहि करि सकल बिहार

राज्य सरकार कए भेटल करीब 60 करोड़ टका लौट गेल

पटना । बिहार सरकार वित्त वर्ष 2008-09 मे ई-गवर्नेंस क मद मे केंद्र सरकार स भेटल रकम क एकटा पाइ खर्च नहि केलक । इ कहब अछि नियंत्रक आ महालेखापरीक्षक (कैग) क ताजा रिपोर्ट क। एहि रिपोर्ट क मुताबिक बीतल वित्त वर्ष मे एहि मद मे केंद्र सरकार स भेटल सबटा रकम कए ज्यों कए त्यों लौटा देल गेल।

रिपोर्ट क अनुसार एहि मद मे राज्य सरकार कए करीब 60 करोड़ भेटल छल। एहि मे स सूबा क सरकार सिर्फ64 लाख टका खर्च केलक। इ रकम सेहो राज्य सरकार क सूचना आ प्रौद्योगिकी विभाग अपन खर्च मे इस्तेमाल केलक। बाकी क रकम बिहार सरकार केंद्र कए ज्यों कए त्यों वापस लौटा देलक अछि।

राज्य सरकार कए वित्त वर्ष 2008-09 मे केंद्र सरकार स राष्ट्रीय ई-शासन योजना मे कॉमन सर्विस सेंटर क मद मे 15 करोड़ भेटल छल। कैग क मुताबिक राज्य सरकार एहि मे स एक पाइ क इस्तेमाल नहि केलक। एकर अलावा, राज्य सरकार कए ज्ञान सिटी प्रोजेक्ट क लेल केंद्र सरकार स 27 करोड़ स बेसी भेटल छल। मुदा राज्य सरकार एकरो इस्तेमाल नहि केलक आ रकम केंद्र सरकार कए वापस करि देलक।

हालांकि, राज्य क सूचना आ प्रौद्योगिकी विभाग क सचिव अरुण कुमार सिंह एहि गप स साफ इनकार करैत छथि। ओ कहला जे एहन कोनो गप नहि अछि। हम पूरा टका क इस्तेमाल करि रहल छी। हम एखन 4टा योजना पर काज करि रहल छी। जाहि मे स्टेट वाइड एरिया नेटवर्क, ई-डिस्ट्रिक, स्टेट डाटा सेंटर आ स्टेट पोर्टल शामिल अछि। एहि मद मे जे टका आयल हम ओकर पूरा इस्तेमाल केलहु अछि। कैग क रिपोर्ट क मुताबिक केंद्र सरकार स 2008-09 मे स्टेट पोर्टल योजना क लेल राज्य सरकार कए भेटल 2 करोड़ वापस लौट गेल अछि।

एहि बारे मे पूछला पर सिंह कहला जे इ गप सरासर गलत अछि। इ पूछला पर जे केतबा रकम खर्च भेल अछि एहि पर हुनकर जबाव छल, एहि बारे मे कहब काफी मुश्किल अछि, मुदा जे भेटल खर्च भेल।

बच्चा सेहो जनमा देलथि एक मास पर!

पटना। कोनो महिला नौ महीना क बाद बच्चा कउ जन्म दैत, मुदा बिहार क किछु कर्मचारी बच्चा सेहो जनमा देलथि एक मास पर । सरकारी योजना क टकाक बंदरबांट क लेल अजीबोगरीब कहानी गढल गेल। कागज पर विश्वास करी त 298टा महिला 60 दिन क अवधि मे दू स पांचटा बच्च कए जन्म देलथि अछि। बच्चा क जन्म पर सरकारी योजना क तहत माता कए देल गेल राशि क रिकॉर्ड् स इ साफ होइत अछि। नियंत्रक एंव महालेखा परीक्षक (कैग) क रिपोर्ट मे एकर खुलासा भेल अछि। रिपोर्ट क अनुसार, जखन कोनो महिला बच्चा कए जन्म दैत अछि त सरकार क जननी सुरक्षा योजना क तहत ओकरा करीब 1,000 टका देल जाइत अछि, मुदा पाउल गेल अछि जे 298टा महिला कए एहि योजना क तहत 6.6 लाख टकाक भुगतान कैल गेल अछि। प्रस्तुत कागज क अनुसार ओ 60 दिन क अंदर दू स पांचटा तक बच्चस कए जन्म देलथि अछि। कैग रिपोर्ट 2009 क अनुसार, इ अनियमितता साल 2008-09 क दौरान भागलपुर, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, किशनगज आ नालंदा जिला मे पाउल गेल अछि। रिपोर्ट क अनुसार, संबंधित अधिकारी जननी सुरक्षा योजना क तहत एहि महिला सब कए दू स पांच बेर तक भुगतान केलथि अछि। दुर्भाग्यपूर्ण गप इ अछि जे अपन बच्चा कए दूध पिएबा मे लागल हजार स बेसी माता कए एहि योजना क लाभ नहि भेट सकल। कैग रिपोर्ट क अनुसार, 4,70,307 नव माता मे स 97,146 कए फंड क कमी क कारण जननी सुरक्षा योजना क तहत टका नहि देल जा सकल।

ढाई साल पहिने सरकार कए सतर्क केने छल सीएजी

पटना। नियंत्रक आ लेखा महापरीक्षक (सीएजी) 11,412 करोड़ क लंबित डीसी बिल क संबंध मे राज्य सरकार कए ढाई साल साल पहिने सतर्क करि देने छल। सीएजी विनोद राय मुख्यमंत्री स सेहो कहने छलाह जे एहि समस्या कए तुरंत निपटाउल जाए ताकि कोनो प्रकार क अनियमितता नहि हुए। मुख्यमंत्री क अविलंब ध्यान दैत नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई क निर्देश कए मुख्य सचिव गंभीरता स नहि लेलथि। सीएजी 18 फरवरी, 2009 कए मुख्यमंत्री कए कहने छल जे बिहार ट्रेजरी कोड क प्रावधान क मुताबिक एसी बिल (एब्सट्रैक्ट कंटीजेंट बिल) पर निकालल गेल कोनो रकम क लेल अगिला छह माह क 25 तारीख तक डीसी बिल(डिटेल्ड कंटीजेंट बिल) पठा देबाक अछि। डीसी बिल क लंबित रहबा क इ बढ़ैत चलन दुरूपयोग क रिस्क स भरल अछि। ओ मुख्यमंत्री कए सतर्क करैत कहने छलाह-हम अहां स अनुरोध करैत छी जे एहि महत्वपूर्ण मामला पर ध्यान दी आ एहि समस्या क जल्द निदान करी, ताकि कोनो प्रकार क फ्राड आओर दुरूपयोग क रिस्क दूर भ सकए। समय पर डीसी बिल पठेबा लेल विशेष कदम उठेबाक आवश्यकता अछि। मुख्यमंत्री कए पठाउल गेल इ पत्र मे सीएजी इ सेहो कहने छथि जे डीसी बिल जमा नहि हेबाक संबंध मे हुनकर अपर उप नियंत्रक-महालेखापरीक्षक बिहार क मुख्य सचिव कए 9 जनवरी, 2008 कए पत्र (संख्या-49/रिपोर्ट-एस/210-20078/एसी बिल्स) लिख चुकल छथि।

बिहार मे सरकारी घोटालाक जन्मक संबंध मे पटना स ल कए दिल्ली तक जखन चर्चा होइत अछि लालू प्रसाद कए एकर जनक कहल जाइत अछि। लालू-राबडी राज कए बिहारक इतिहास मानि लेनिहार लोक लेल सुरेंद्र किशोर जी समय -समय पर इ बतेबाक कोशिश करैत रहलाह अछि जे बिहार ओहि स पहिनो छल। सुरेंद्र किशोर बिहार क ओहि चंद पत्रकार मे स एकटा छथि जे पिछला 40 साल स लगातार बिहार सरकारक कामकाज कए लग स देखी रहल छथि। एकटा पत्रकार क इ अनुभव समाज लेल कतेक लाभकारी अछि इ किशोर जीक आलेख स बुझबा मे अबैत अछि। हाल मे कैग रिपोर्ट पर मचल हंगामा मे एक बेर फेल इ सवाल उठल जे बिहार मे एहन परंपरा क शुरूआत आखिर कहिया आओर केना भेल। प्रस्तुत अछि किछु एखने सवाल कए उत्तर दैत सुरेंद्र किशोर क इ आलेख

सन 85 मे पहिल बेर कांग्रेस चढेने अछि स्कूटर पर सांड़

सी.ए.जी. क जाहि रपट मे एहि गप क उल्लेख अछि ओकर कॉपी कई गोटा लग अछि। ओहि रपट मे एहन आओर उदाहरण देल गेल अछि। सी.ए.जी. 1985 मे बिहार सरकार कए समर्पित अपन रपट मे एहन अन्य अनेक सरकारी घोटाला क भंडाफोड़ केने छल। यदि ओहि समय मे घोटाला क सूत्रधार क खिलाफसख्त कार्रवाई भ जइते त आई खगड़िया राहत सामग्री घोटाला क एहन रपट सी.ए.जी. कए शायद नहि देबाक जरूरत पडितए । इ कहाक जरूरत नहि जे 1985 मे कांग्रेस क पैघ बहुमत वाला बिहार मे सरकार छल आ ओकर मुख्य मंत्री बिंदेश्वरी दुबे छलाह, जिनका हाई कमान क पूरा समर्थन सेहो हासिल छल। ओ चाहतथि त कार्रवाई करि सकैत छलाह। मुदा कोनो कार्रवाई नहि भेल आ अगिला सरकार सब मे एहन घोटाला जारी रहल।

छह दिसंबर, 1985 कए रांची स सड़क मार्ग स घागरा चारिटा सांड़ पहुंचाउल गेल। रांची स घागरा क दूरी 344 किलोमीटर अछि। बिहार सरकार क पशुपालन विभाग एकर एवज मे तैयार 1289 टकाक जाली बिल क भुगतान ठेकेदार कए करि देलक । मुदा जखन एहि विपत्र क सघन जांच सी.ए.जी..केलक त पता चलल जे जाहि वाहन क बिल पेश कैल गेल छल, ओ कोनो मालवाहक नहि बल्कि स्कूटर छल। यानी सांड़ स्कूटर पर लादल गेल।

एतबे नहि तीस मई, 1985 कए रांची स झिंकपानी चारि टा आओर सांड़ पठाउल गेल। बिल बनल 1310टकाक। विभाग एकर सेहो भुगतान करि देलक। मुदा जखन एहि बिल पर जांच भेल त पता चलल जे जाहि वाहन क नंबर बिल क संग देल गेल ओ वाहन वास्तव मे एकटा कार छल।

सी.ए.जी. क जाहि रपट मे एहि गप क उल्लेख अछि ओकर कॉपी कई गोटा लग अछि। ओहि रपट मे एहन आओर उदाहरण देल गेल अछि। सी.ए.जी. 1985 मे बिहार सरकार कए समर्पित अपन रपट मे एहन अन्य अनेक सरकारी घोटाला क भंडाफोड़ केने छल। यदि ओहि समय मे घोटाला क सूत्रधार क खिलाफसख्त कार्रवाई भ जइते त आई खगड़िया राहत सामग्री घोटाला क एहन रपट सी.ए.जी. कए शायद नहि देबाक जरूरत पडितए । इ कहाक जरूरत नहि जे 1985 मे कांग्रेस क पैघ बहुमत वाला बिहार मे सरकार छल आ ओकर मुख्य मंत्री बिंदेश्वरी दुबे छलाह, जिनका हाई कमान क पूरा समर्थन सेहो हासिल छल। ओ चाहतथि त कार्रवाई करि सकैत छलाह। मुदा कोनो कार्रवाई नहि भेल आ अगिला सरकार सब मे एहन घोटाला जारी रहल। आखिर कार 1996 मे वीर सिंह पटेल आ किछु अन्य लोक चारा घोटाला क सी.बी.आई. जांच क लेल पटना हाई कोर्ट मे लोकहित याचिका दायर केलथि, ओहि मे याचिका संग सी.ए.जी.रपट क जे फोटोकापी संलग्न छल ओहि मे स्कूटर पर सांड़ ढोबाक सबूत पेश कैल गेल छल। संभव अछि जे 1985 स पहिनो भ्रष्ट सरकारी कर्मी स्कूटर आ मोटर साइकिल पर साड़ ढोबाक जाली बिल बना कए सरकारी खजाना कए लूटबाक काज केने होएथि, मुदा सबूत त 1985 क कार्य काल मे सामने आएल।

हाल मे सार्वजनिक रूप स नीतीश सरकार स इ सवाल पूछल गेल जे की नीतीश कुमार अपन पिछला सरकार स स्कूटर - मोटर साइकिल पर अनाज ढोबाक तकनीक सीखलथि अछि ? इ सवाल पूछनिहार कांग्रेसी नेता प्रेम चंद्र मिश्र सेहो सन 1996 मे अलग स चारा घोटाला क सी.बी.आई. जांच क लेल लोकहित याचिका दायर केने छलाह। हुनका स एहन सवालक उम्मीद नहि कैल जा सकैत अछि, कम स कम हुनका त एहि सवाल क उत्तर पता हेबाक चाही जे एहि कलाक जन्म कौन पार्टी आ केकर सरकार मे भेल। स्कूटर पर सांड़ ढोबाक परंपरा कौन दल आ कौन नेता क शासनकाल मे शुरू भेल इ बुझब बिहारक संग-संग देशक लोक कए बुझब जरूरी अछि। एखन तक भेटल सबूत क आधार पर इ कहल जा सकैत अछि जे एहि अद्भुत परंपराक सूत्रपात 1985 मे भेल आ आगू जारी रहल।

प्रेमचंद्र मिश्र क इ सवाल एक तरह स बिहारक जनता क स्मरणं शक्ति परीक्षा लेबाक प्रयास अछि, जाहि प्रकार स बिहारक लोक कए फूलकर मानि बिहार कांग्रेस क मुख्य प्रवक्ता मिश्र चटखारा लैत नीतीश कुमार आ सुशील कुमार मोदी स इ सवाल केलथि ओहि स साफ छल जे खगड़िया क राहत सामग्री कए मोटर साइकिल पर ढोबाक कला नीतीश सरकार लालू सरकार स सीखलक अछि।

सुरेंद्र किशोर

अस्सी क दशक मे लंदन टाइम्स क एकटा संवाददाता ट्रेवर फिसलॉक लिखलथि जे कई तरह क गंदगी सरकारी आ राजनीतिक भ्रष्टाचरण क मामला मे बिहार, भारत क गंदा नाला बनि चुकल अछि। फिशलॉक ओहि समय आबि कए बिहार सरकार मे भ्रष्टाचार कए संस्थागत रूप द चुकल अछि। मुदा बिहार क दुर्भाग्य द अछि जे जखन कोनो दल क सरकार क कार्यकाल मे भ्रष्टाचार क मामला उजागर होइत अछि त प्रतिपक्षी दल बिना किछु सोचने-बुझने राजनीतिक लाभ क लेल निराधार आरोप-प्रत्यारोप करबा मे लागि जाइत अछि। दरअसल आजुक अधिकतर नेता सिर्फ कुर्सी हड़पबा लेल तरह-तरह क राजनीतिक कसरत करैत रहैत छथि, हुनका लेल सरकारी भ्रष्टाचार कए कम करबा लेल या समाप्त करबा लेल कोनो खाका नहि अछि।

निष्पक्ष प्रेक्षक भ्रष्टाचार क कई मामला क लेल लालू सरकार कए श्रेय दैत छथि। खुद नीतीश कुमार पर व्यक्तिगत रूप स त नहि, मुदा हुनकर सरकार पर सेहो भ्रष्टाचार क आरोप लगैत रहैत अछि। कईटा आरोप मे दम सेहो अछि। खुद नीतीश कुमार ओहि भ्रष्टाचारी स परेशान छथि। एहि लेल ओ हाल मे बिहार स्पेशल कोर्ट एक्ट, 2010 नाम स कड़ा भ्रष्टाचार निरोधक कानून सेहो बनौलथि अछि। मुदा एकटा गप जरूर अछि जे बिहार क सबटा भ्रष्टाचार क लेल सिर्फ लालू प्रसाद कए जिम्मेदार ठहराउल जाए त इ लालू प्रसाद क संग अन्याय होएत आ सच स आंखि चुरेबाक प्रयास कहल जाएत। सन 1990 मे लालू प्रसाद क सत्ता मे एबा स पहिने बिहार सरकार आ ओकर कईटा मुखिया भ्रष्टाचार क लेल पूरा देश मे चर्चित रहला अछि। अस्सी क दशक मे लंदन टाइम्स क एकटा संवाददाता ट्रेवर फिसलॉक लिखलथि जे कई तरह क गंदगी सरकारी आ राजनीतिक भ्रष्टाचरण क मामला मे बिहार, भारत क गंदा नाला बनि चुकल अछि।

फिशलॉक ओहि समय आबि कए बिहार सरकार मे भ्रष्टाचार कए संस्थागत रूप द चुकल अछि। मुदा बिहार क दुर्भाग्य द अछि जे जखन कोनो दल क सरकार क कार्यकाल मे भ्रष्टाचार क मामला उजागर होइत अछि त प्रतिपक्षी दल बिना किछु सोचने-बुझने राजनीतिक लाभ क लेल निराधार आरोप-प्रत्यारोप करबा मे लागि जाइत अछि।

दरअसल आजुक अधिकतर नेता सिर्फ कुर्सी हड़पबा लेल तरह-तरह क राजनीतिक कसरत करैत रहैत छथि, हुनका लेल सरकारी भ्रष्टाचार कए कम करबा लेल या समाप्त करबा लेल कोनो खाका नहि अछि। आजादी क बाद क राजनीतिक इतिहास देखला स साफ होइत अछि जे अधिकतर नेता मौजूदा सरकार पर भ्रष्टाचार क सही-गलत आरोप लगा कए जनता कए प्रभावित करैत छथि आ कुर्सी हासिल करैत छथि आ जखन खुद कुर्सी पर बैस जाइत छथि त पिछला सरकार स बेसी भ्रष्टाचार करै लगैत छथि। आम तौर पर एहि देश मे यह देखल गेल अछि। दरिद्र बिहार आ एहि गरीब देश क इ सबस पैघ दुर्भाग्य अछि। जे नेता अपन भीतर क झूठ, स्वार्थ आ अज्ञानता स नहि लड़ सकैत अछि, ओ भ्रष्टाचार नामक भीषण दानव स कोनो लड़ि सकैत अछि?

अंक- 45, साल-3, समाद प्रकाशन क लेल esamaad.com स इंटरनेट संस्करण प्रकाशित। प्रबंधक : छवि झा, संपादक : कुमुद सिंह*, समाचार संपादक : पुतुल सिंह। (*खबरक चयन लेल जिम्मेदार)। फोन : 011-22484593, 09250281098, ई-मेल : esamaad@gmail.com